भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1903

30 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

तमिलनाडु में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां

†1903. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

श्री जी. सेल्वमः

डॉ. रानी श्रीकुमारः

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों के कार्यान्वयन की समीक्षा की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चिह्नित उपचारित और उपचार के लम्बित अपशिष्ट भराव स्थलों के शहर-वार ब्यौरे सहित विशेषकर स्रोत पर पृथक्करण, घर-घर जाकर अपशिष्ट को एकत्र करने, प्रसंस्करण, अपशिष्ट से ऊर्जा पहलों और विरासत अपशिष्ट के उपचार के संबंध में तमिलनाडु के शहरों स्थानीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन अवसंरचना और पुराने अपशिष्ट भराव की मौजूदा स्थिति क्या है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और अपशिष्ट भराव भूमि सुधार परियोजनाओं के लिए स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 (एसबीएम-यू 2.0) सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई वित्तीय सहायता/निधि तथा उक्त अवधि के दौरान कार्यान्वित परियोजनाओं का शहर-वार ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या सरकार ने आरणी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित तमिलनाडु के प्रमुख शहरों में जमा पुराने अपशिष्ट की मात्रा का आकलन किया है और यदि हां, तो राज्य में इसके वैज्ञानिक प्रसंस्करण और निपटान तथा अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं, सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्रों, खाद बनाने वाली इकाइयों, बायो-मेथेनेशन संयंत्रों और अपशिष्ट-से-ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना में हुई प्रगति के साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने तमिलनाडु में पुराने अपशिष्ट के उपचार की प्रगति और कचरा मुक्त शहर के लक्ष्यों की प्राप्ति का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) तमिलनाडु के शहरों में वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने, खुले में कचरा डालने में कमी लाने, स्रोत पर अपशिष्ट के पृथक्करण को बढ़ावा देने और सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्राप्ति के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(च) तमिलनाडु में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने, चक्रीय अर्थव्यवस्था पद्धतियों को बढ़ावा देने और शहरी स्वच्छता में सुधार करने के लिए और क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (च): भारत सरकार ने तमिलनाडु सहित देश के शहरी क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाने और शहरी क्षेत्रों में उत्पन्न नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) का वैज्ञानिक प्रसंस्करण करने के उद्देश्य से 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) शुरू किया था।

की गई प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए, स्रोत पृथक्करण, घर-घर संग्रहण और वैज्ञानिक लैंडफिल में सुरक्षित निपटान और सभी पुराने डंपसाइटों के उपचार के साथ-साथ अपशिष्ट के सभी प्रकारों के वैज्ञानिक प्रबंधन करते हुए तमिलनाडु सहित सभी शहरों को अपशिष्ट मुक्त दर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 को 1 अक्टूबर, 2021 से पाँच वर्ष की अवधि के लिए शुरू किया गया था।

इसके अलावा, एसबीएम-यू 2.0 के तहत, भारत सरकार ने तमिलनाडु राज्य को केंद्रीय अंश के रूप में जारी करने के लिए 3296.70 करोड़ रुपये आवंटित किए और 3317.90 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को केंद्रीय अंश के रुप में अनुमोदित किया गया है और तमिलनाडु राज्य द्वारा अब तक 1226.89 करोड़ रुपये का दावा किया गया है।

एसबीएम-यू 2.0 के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घटक के तहत विभिन्न प्रकार की नगरपालिका अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं जैसे सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएं (एमआरएफ), अपशिष्ट से खाद (डब्ल्यूटीसी) संयंत्र, बायो-मिथेनेशन संयंत्र, अपशिष्ट-व्युत्पन्न ईंधन (आरडीएफ) प्रसंस्करण सुविधाएं, अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) संयंत्र, निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट संयंत्र, सीबीजी संयंत्र सहित सैनिटरी लैंडफिल की स्थापना के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

स्वच्छतम पोर्टल पर तमिलनाडु राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 99.55 प्रतिशत वार्डों में घर-घर संग्रहण, 98.56 प्रतिशत वार्डों में स्रोत पृथक्करण किया जा रहा है और कुल उत्पन्न अपशिष्ट में से 60.56 प्रतिशत अपशिष्ट को प्रसंस्कृत किया जा रहा है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तीसरे पक्ष का आकलन करता है और तमिलनाडु राज्य और अन्य सभी राज्यों की रिपोर्ट https://ss2024.sbmurban.org/#/home पर उपलब्ध है।

स्वच्छतम पोर्टल पर तमिलनाडु राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उपचार के लिए लगभग 2.16 करोड़ मीट्रिक टन पुराने अपशिष्ट की कुल 315 डंपसाइट (प्रत्येक में 1,000 टन से अधिक अपशिष्ट है) चिन्हित की गई हैं, जिनमें से 256 डंपसाइटों का पूर्ण रूप से उपचार किया जा चुका है। संचयी रूप से, चिह्नित पुराने अपशिष्ट में से 1.38 करोड़ मीट्रिक टन (64%) का उपचार किया जा चुका है। राज्य में स्थित पुराने अपशिष्ट डम्पसाइटों का विवरण निम्नलिखित: https://sbmurban.org/swachh-bharat-mission-progress वेबसाइट पर उपलब्ध है।

*****